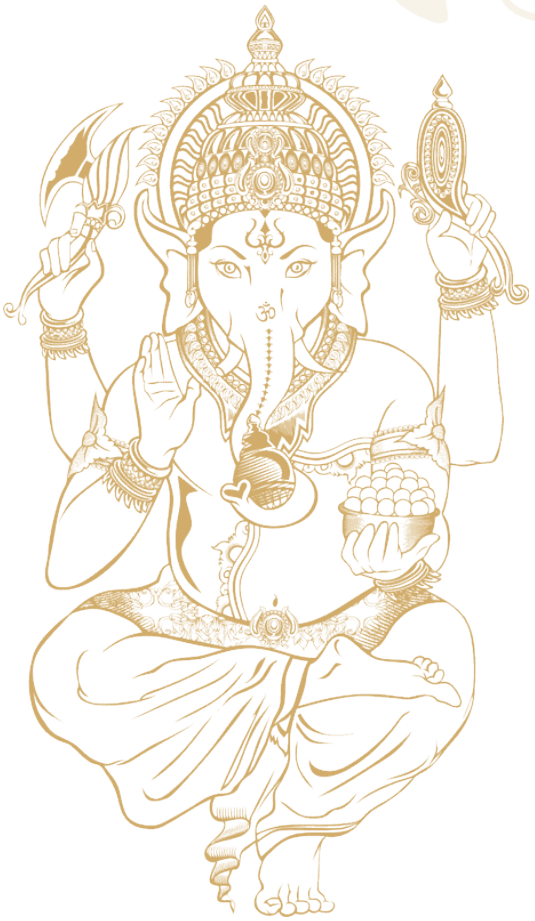

Him

26 Apr 1977

11:15 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121610102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/04/1977**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**23:15:00 घंटे**
इष्ट	43:44:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:53:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:11 घंटे
साम्पातिक काल	13:12:18 घंटे
सूर्योदय	05:45:19 घंटे
सूर्यास्त	18:53:07 घंटे
दिनमान	13:07:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:49:33 मेष
लग्न के अंश	10:30:38 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:30:38	338:08:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			मेष	12:49:33	00:58:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	14:18:08	12:37:11	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			मीन	05:44:59	00:46:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	मेष	19:03:07	00:31:35	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			वृष	11:16:19	00:13:10	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	14:42:46	00:01:35	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि			कर्क	16:37:37	00:01:40	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु			तुला	00:42:27	00:00:05	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु			मेष	00:42:27	00:00:05	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		तुला	16:22:24	00:02:32	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	22:12:08	00:01:09	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो	व		कन्या	18:37:53	00:01:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			कन्या	26:02:45	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:31

लग्न-चलित

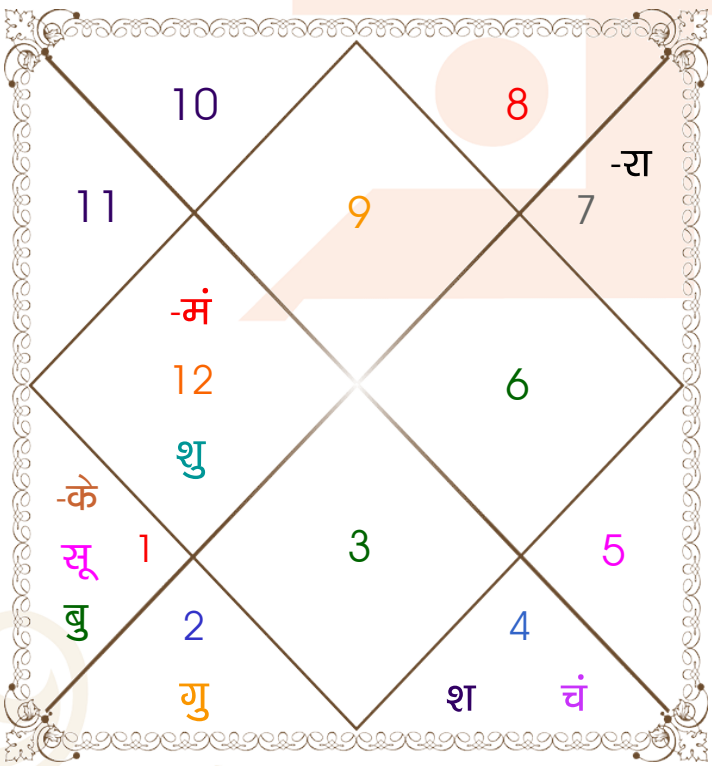

चन्द्र कुंडली

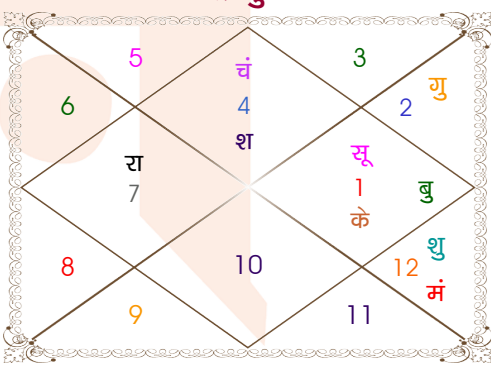

नवमांश कुंडली

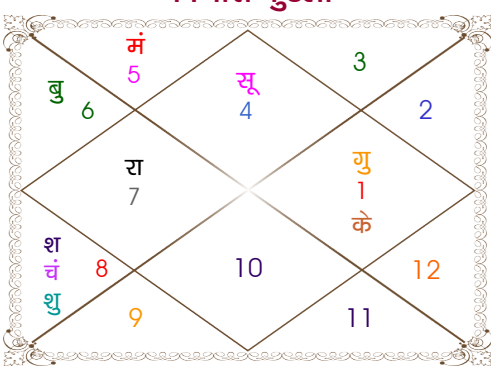

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 4 मास 13 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/04/1977		08/09/1980		08/09/1997		08/09/2004		08/09/2024	
08/09/1980		08/09/1997		08/09/2004		08/09/2024		09/09/2030	
	00/00/0000	बुध	05/02/1983	केतु	05/02/1998	शुक्र	09/01/2008	सूर्य	27/12/2024
	00/00/0000	केतु	02/02/1984	शुक्र	07/04/1999	सूर्य	08/01/2009	चंद्र	27/06/2025
	00/00/0000	शुक्र	03/12/1986	सूर्य	12/08/1999	चंद्र	09/09/2010	मंगल	02/11/2025
	00/00/0000	सूर्य	09/10/1987	चंद्र	13/03/2000	मंगल	09/11/2011	राहु	27/09/2026
	00/00/0000	चंद्र	10/03/1989	मंगल	09/08/2000	राहु	09/11/2014	गुरु	16/07/2027
	00/00/0000	मंगल	07/03/1990	राहु	27/08/2001	गुरु	10/07/2017	शनि	27/06/2028
	26/04/1977	राहु	23/09/1992	गुरु	03/08/2002	शनि	08/09/2020	बुध	04/05/2029
राहु	26/02/1978	गुरु	30/12/1994	शनि	12/09/2003	बुध	10/07/2023	केतु	08/09/2029
गुरु	08/09/1980	शनि	08/09/1997	बुध	08/09/2004	केतु	08/09/2024	शुक्र	09/09/2030

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/09/2030		08/09/2040		09/09/2047		08/09/2065		08/09/2081	
08/09/2040		09/09/2047		08/09/2065		08/09/2081		00/00/0000	
चंद्र	10/07/2031	मंगल	04/02/2041	राहु	22/05/2050	गुरु	28/10/2067	शनि	11/09/2084
मंगल	08/02/2032	राहु	23/02/2042	गुरु	15/10/2052	शनि	10/05/2070	बुध	22/05/2087
राहु	09/08/2033	गुरु	30/01/2043	शनि	22/08/2055	बुध	15/08/2072	केतु	30/06/2088
गुरु	09/12/2034	शनि	10/03/2044	बुध	10/03/2058	केतु	22/07/2073	शुक्र	31/08/2091
शनि	09/07/2036	बुध	07/03/2045	केतु	29/03/2059	शुक्र	22/03/2076	सूर्य	12/08/2092
बुध	09/12/2037	केतु	03/08/2045	शुक्र	28/03/2062	सूर्य	08/01/2077	चंद्र	13/03/2094
केतु	10/07/2038	शुक्र	03/10/2046	सूर्य	20/02/2063	चंद्र	10/05/2078	मंगल	22/04/2095
शुक्र	10/03/2040	सूर्य	08/02/2047	चंद्र	21/08/2064	मंगल	16/04/2079	राहु	26/04/2097
सूर्य	08/09/2040	चंद्र	09/09/2047	मंगल	08/09/2065	राहु	08/09/2081		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 3 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।